**9350/KH1** **OCTOBER 2009**

Paper I — MODERN PROSE

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — ($5 \times 4 = 20$ marks)

1. किन्हीं पाँच उद्धरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

(a) फल भावना प्रधान उत्साह तो लोभ ही का एक प्रच्छन्न रूप है।

(b) दुखी व्यक्ति जितना ही असहाय और असमर्थ होगा उतनी ही अधिक उसके प्रति हमारी करुणा होगी।

(c) यदि राम हमारे काम के हैं तो रावण भी हमारे काम का है। एक में हम अपने लिए प्रवृत्ति का क्रम पाते हैं, दूसरे में निवृत्ति का।

(d) अध्यात्म शब्द की मेरी समझ में काव्य या कला के क्षेत्र में कहीं कोई जरूरत नहीं है।

(e) इसलिए साहित्य यदि जन समूह के चित्र का चित्रपट कहा जाय तो, संगत है।

(f) अहा ! धन्य श्रीरामचन्द्र का अलौकिक महात्म्य ! धन्य वाल्मीकि की कलपना सरसी, जिसमें ऐसे-ऐसे स्वर्ण-कमल प्रस्फुटित हुए।

(g) मनुष्य की सजीवता मनोवेग या प्रवृत्ति में, भावों की तत्परता में है।

(h) हमारे युग की अनेक वैज्ञानिक सुविधाएँ पिछले युग के लिए स्वप्न मात्र भीं, इसे कौन अस्वीकार कर सकता है।

PART B — (2 × 10 = 20 marks)

2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में दीजिए।

(a) करुणा निबन्ध के बारे में अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

(b) यथार्थ और आदर्श निबन्ध का सारांश लिखिए।

(c) यदु का चरित्र चित्रण कीजिए।

(d) ज्योति का चरित्र चित्रण कीजिए।

(e) आकाशदीप कहानी के शीर्षक पर प्रकाश डालिए।

(f) अपने पसन्द किसी एक प्रेमचन्द के उपन्यास की विशेषताएँ लिखिए।

PART C — (3 × 20 = 60 marks)

3. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 1,200 शब्दों में दीजिए।

(a) लेखक का परिचय देते हुए 'तमाल के झरोखे से ' निबन्ध का सारांश लिखिए।

(b) लेखक का परिचय देते हुए उत्साह निबन्ध पर प्रकाश डालिए।

(c) निबन्ध की परिभाषा तथा उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।



(d) एक और द्रोणाचार्य नाटक के आधार पर वर्तमान व्यवस्था और पौराणिक युग की व्यवस्था की समानताओं पर प्रकाश डालिए।

(e) एकांकी तत्वों के आधार पर 'जुलाई की शाम' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

(f) लेखक का परिचय देते हुए कहानी-कला की दृष्टि से 'वापसी' की समीक्षा कीजिए।

(g) प्रेमचन्द के उपन्यासों में चित्रित समस्याओं का चित्रण कीजिए।

———————

**9351/KH2** **OCTOBER 2009**

Paper II — MODERN POETRY

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — (5 × 4 = 20 marks)

1. किन्हीं पाँच अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

(a) तप, मुझसे परिपक्वता पाकर भले प्रकार
बने हमारे फल सकल, प्रिय के ही उपहार।

(b) तम के सुन्दरतम रहस्य दे, कांति-किरण रंजित तारा।
व्यथित विश्व के सात्विक शीतल बिन्दु भरे नव-रस सारा।

(c) ऐसा युद्ध
ऐसी विजय
ऐसी प्राप्ति-
सब मिथ्या है।

(d) स्वर्ण, सुख, श्री सौरभ में बोर
विश्व को देती है जब भोर
विहग-कुल की कल कंठ हिलोर
मिला देती भू- नभ के छोर।

(e) बुझ गदा यह नक्षत्र प्रकाश
चमकती जिसमें मेरी आशा
रैन बोली सज कृष्ण दुकूल
विसर्जन करो मनोरथ फूल

(f) नहीं बजती उसके हाथों में कोई वीणा
नहीं होता कोई अनुराग राग आलाप
नूपुरों में भी रुनझुन रुनझुन नहीं

(g) सिर्फ एक अव्यक्त शब्द सा चुपचुपचुप
कि तुझे देखूँ।
देखूँ और मन में कृतज्ञता उमड आये
पहनूँ सियापे से ये कनक तार-तेरे
बावरा अहेरी।

(h) वह महाव्याकुल अनावृत एक सपना
सहस्रों स्वर्गीय स्वप्नों से बृहत्तर
स्वप्न का वह व्योम नील प्राण पृथ्वी पर झुका है।

PART B — ($2 \times 10 = 20$ marks)

2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में दीजिए।

(a) 'आशा' सर्ग का सारांश दीजिए।

(b) महादेवी वर्मा की कृतियों की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।



(c) कवि निराला की कविताओं में से अपनी पसंद कविता का विवेचन कीजिए।

(d) छायावाद और पंत पर विवेचन कीजिए।

(e) गुप्त के काव्य-कौशल की समीक्षा कीजिए।

(f) 'संशय की एक रात' की दृष्टि में राम का चरित्र-चित्रण कीजिए।

PART C — ($3 \times 20 = 60$ marks)

3. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 1200 शब्दों में दीजिए।

(a) 'साकेत' के महाकाव्यत्व पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(b) छायावाद के उद्‌भव-विकास पर प्रकाश डालिए।

(c) हिन्दी के प्रमुख खण्ड काव्यों के परिचय दीजिए।

(d) सूर्यकान्त त्रिपाठी की कविताओं का विवेचन कीजिए।

(e) छायावाद की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(f) स्पष्ट कीजिए कि 'संशय की एक रात' एक सफल खण्ड काव्य है।

(g) आधुनिक हिन्दी कविता के प्रेरणा-स्रोत का परिचय दीजिए।

# 9352/KH3

**OCTOBER 2009**

## Paper III — HISTORY OF HINDI LITERATURE

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — (5 × 4 = 20 marks)

1. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

(a) अप्रभ्रंश साहित्य का परिचय दीजिए।

(b) डिंगल तथा पिंगल भाषाओं पर विचार कीजिए।

(c) ज्ञानाश्रयी शाखा पर विचार कीजिए।

(d) प्रेमाश्रयी शाखा के सूफीकवि मलिक मुहम्मद जायसी के बारे में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(e) रामभक्ति शाखा की काव्यगत विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

(f) रीतिकाल की परिस्थितियों पर विचार कीजिए।

(g) दक्षिण भारत में हिन्दी भाषा की स्थिति कैसी है?

(h) प्रयोगवाद की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

PART B — (2 × 10 = 20 marks)

2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में दीजिए।

(a) वीरगाथा काल की काव्यगत विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

(b) ज्ञानाश्रयी शाखा की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

(c) कृष्ण भक्ति शाखा की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

(d) आधुनिक कालीन साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

(e) हालावाद पर चर्चा कीजिए।

(f) नई कविता पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

PART C — (3 × 20 = 60 marks)

3. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 1,200 शब्दों में दीजिए।

(a) स्पष्ट कीजिए कि हिन्दी साहित्य में भक्तिकाल स्वर्ण युग है।

(b) निर्गुण भक्ति पर विचार कीजिए।

(c) कृष्ण भक्त कवि तथा सम्प्रदाय पर प्रकाश डालिए।

(d) रीतिकालीन काव्यधारा तथा विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।



(e) आधुनिक काल के विभिन्न वादों के परिचय दीजिए।

(f) मैथिली शरण गुप्त के योगदान पर प्रकाश डालिए।

(g) हिन्दी नाटक के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

———————

# 9353/KH4 OCTOBER 2009

## Paper IV — PROYOJANMOOLAK HINDI AND JOURNALISM

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — ($5 \times 4 = 20$ marks)

1. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

   (a) प्रशासनिक हिन्दी के स्वरुप को स्पष्ट कीजिए।

   (b) भारत के संविधान में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग कैसे रहता है?

   (c) प्रादेसिक भाषाओं के बारे में अपने विचार प्रकट कीजिए।

   (d) अंग्रेजी की भाषानीति पर टिप्पणी लिखिए।

   (e) पत्रकारिता की उपयोगिता पर एक लेख लिखिए।

   (f) पत्रकारिता मिशन या व्यवसाय अपने विचार व्यक्त कीजिए।

   (g) समाचार के प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

   (h) दूरदर्शन समाचार पर विचार कीजिए।

PART B — (2 × 10 = 20 marks)

2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में दीजिए।

(a) राजभाषा हिन्दी की समस्याओं को कैसे दूर कर सकते हैं?

(b) कार्यालय आदेश लिखिए।

(c) नौकरी के लिए आवेदन पत्र लिखिए।

(d) समाचार के तत्वों पर प्रकाश डालिए।

(e) स्वतंत्रता पश्चात भारतीय पत्रकारिता की स्थिति कैसी है ?

(f) आर्थिक पत्रकारिता पर प्रकाश डालिए।

PART C — (3 × 20 = 60 marks)

3. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 1200 शब्दों में दीजिए।

(a) भारतीय संविधान में राजभाषा हिन्दी का रोल।

(b) भारत की राजभाषा नीति का परिचय दीजिए।

(c) राजभाषा के स्वरुप पर प्रकाश डालिए।

(d) पत्रकारिता के महत्व को स्पष्ट कीजिए।



(e) पत्रकारिता की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

(f) सिद्ध कीजिए कि वर्तमान युग समाचारों का युग है।

(g) पत्रकारिता के प्रकारों पर विचार डालिए।

**9354/KH5** **OCTOBER 2009**

Paper V — ANCIENT AND MEDIEVAL POETRY

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — ($5 \times 4 = 20$ marks)

1. किन्हीं पाँच की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

(a) मन हुँ काम कामिनि रचिय रचिय रुप की रास।

पसु पंछि सब मोहिनी, सुर, नर, मुनियर पास॥

(b) सुन्दरि चल लिह पहु घर ना, चहुदिस सखि सबकर धरना।

जाइइत लाघु परम डरना, जइसे ससि काँप राहु डर ना।

(c) परब्रह्म के तेज का, कैसा है उन मान।

कहि बे कूँ सोभा नहीं, देख्या ही परवान।

(d) तुम बिनु काँपै धनि हिया, तन तिनुर भा डोल।

देहि पर बिरह जराइ कै, चहै उडावा झोल।

(e) जसोदा हरि पालनै झुलावै।

हर रावै दुलराइ मलहा वै जोइ-सोइ कछु गावै।

मेरे लाल की आउ निंदरिया काहै न आनि सुलावै।

तू काहै नहिं बेगहिं आवै, तो को कान्हा बुलावै।

(f) राम राज अभिषेकु सुनि हियँ हरषे नर नारी।

लगे सुमंगल सजन सब बिछि अनुकूल बिचारी।

(g) अधर धरत हरि के परत ओठ डीठि पट जोति।

हरित बाँस की बाँसुरी इंद्रधनुष-रँग होति।

(h) कबीर पढ़िवा दूरि करि, पुस्तक देह बहाइ।

बाँवन आषिर सोधि करि, ररै ममैं चित लाइ।

PART B — (2 × 10 = 20 marks)

2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में दीजिए।

(a) चन्दबरदाई और उन के काव्य के बारे में लिखिए।

(b) जायसी के प्रेम व्यंजना पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।



(c) कबीर के काव्य का समाज पक्ष पर प्रकाश डालिए।

(d) भ्रमरगीत की विशिष्टता की चर्चा कीजिए।

(e) तुलसीदास के व्यक्तित्व व कृतित्व के बारे में लिखिए।

(f) बिहारीलाल की काव्य कला पर विचार कीजिए।

PART C — (3 × 20 = 60 marks)

3. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 1200 शब्दों में दीजिए।

(a) पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता को सपष्ट कीजिए।

(b) विद्यापति भक्त कवि हैं या श्रृंगार कवि, तर्क संगत अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(c) कबीरदास के काव्य के आधार पर उन के क्रांतिकारी व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।

(d) सूरदास के काव्य की समीक्षा कीजिए।

(e) तुलसी के काव्य सौष्ठव का परिचय दीजिए।

(f) सतसई परंपरा में बिहारी के स्थान का निर्धारण कीजिए।

(g) सूर की मधुर भक्ति पर प्रकाश डालिए।

---

**9355/KH6** **OCTOBER 2009**

Paper VI — HISTORY OF HINDI LANGUAGE AND LINGUISTICS

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — (5 × 4 = 20 marks)

1. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

(a) आर्यों के पूर्ववर्ती भारतीय भाषाएँ कौन-कौन सी हैं? परिचय दीजिए।

(b) वैदिक संस्कृत के बारे में लिखिए।

(c) भाषा की परिभाषा देकर उसके स्वरूप का निर्धारण कीजिए।

(d) मूलभाषा से क्या तात्पर्य है?

(e) रूप विज्ञान के बारे में समझाइये।

(f) अर्थ परिवर्तन के बारे में लिखिए।

(g) ध्वनि विज्ञान क्या होता है?

(h) भाषा और बोली में क्या अन्तर है?

PART B — (2 × 10 = 20 marks)

2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में दीजिए।

(a) भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियों के बारे में लिखिए।

(b) रूप परिवर्तन के कारणों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(c) वाक्य के प्रकारों का परिचय दीजिए।

(d) उपसर्ग और प्रत्यय के बारे में लिखिए।

(e) राष्ट्र भाषा से क्या तात्पर्य है?

(f) 'ने' विभक्ति के बारे में विस्तार से लिखिए।

PART C — (3 × 20 = 60 marks)

3. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 1,500 शब्दों में दीजिए।

(a) हिन्दी की उपभाषाओं के बारे में लिखिए।

(b) हिन्दी भाषा शिक्षण प्रणाली पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(c) अर्थ तत्व और संबंध तत्व को समझाइए।



(d) तर्क सहित स्पष्ट कीजिए कि 'हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनने का पूरा अधिकार है'।

(e) ध्वनि परिवर्तन पर विस्तार से लिखिए।

(f) वाक्यविज्ञान की समीक्षा कीजिए।

(g) भाषा की व्यत्पत्ति को लेकर प्रचलित सिद्धांतों की समीक्षा कीजिए।

———————

**9356/KH7** **OCTOBER 2009**

Paper VII — INDIAN AND WESTERN POETICS

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — (5 × 4 = 20 marks)

1. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

(a) काव्य के प्रयोजन को सिद्ध कीजिए।

(b) महाकाव्य के लक्षणों के बारे में लिखिए।

(c) ध्वनि सिद्धांत पर प्रकाश डालिए।

(d) उदाहरण देकर समझाइये।

(i) यमक अलंकार

(ii) श्लेष अलंकार।

(e) लोंजाइनस का उदात्त सिद्धांत क्या है?

(f) प्रतीक वाद क्या होता है?

(g) रूपवाद की चर्चा कीजिए।

(h) काव्य की आत्मा पर प्रकाश डालिए।

PART B — (2 × 10 = 20 marks)

2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में दीजिए।

(a) प्रतिभा के स्वरूप का निर्धारण करते हुये भारतीय आचार्यों द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों की चर्चा कीजिए।

(b) नाटक के तत्वों की समीक्षा कीजिए।

(c) आलोचना क्या होती है? उसकी विभिन्न पद्धतियों की चर्चा कीजिए।

(d) अलंकार सिद्धांत पर प्रकाश डालिए।

(e) अरस्तु के अनुकरण सिद्धांत के बारे में लिखिए।

(f) वर्ड्स्थवर्थ के अनुसार कविता क्या है?

PART C — (3 × 20 = 60 marks)

3. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 1,200 शब्दों में दीजिए।

(a) रस निष्पत्ति किसे कहते हैं? विस्तार से लिखिए।

(b) कला कला के लिए है या जीवन के लिए? अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(c) छन्द सिद्धांत की समीक्षा कीजिए।



(d) काव्य की परिभाषा देते हुए उसके भेदों के बारे में लिखिए।

(e) कहानी विधा की समीक्षा कीजिए।

(f) प्लेटो के काव्य सिद्धांत की चर्चा कीजिए।

(g) क्रोचे का अभिव्यंजनावाद पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(g) अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए।

सन् 1880 की बात है। वारणासी के चार मील दूर लमही गाँव में एक मुंशी अजायबलाल श्रीवात्सव रहते थे ; मुँशि इसलिए कि गाँव के डाक खाने में क्लर्क थे। थोडी सी जमीन और गिनी-गिनायी तनखाह के बल पर अपने परिवार की गाडी खींच रहे थे। एक हफ्ते बैल की तरह। घरवाली के महीने पूरे होते आ रहे थे। और भी अधिक खर्च सिर पर पडनेवाला था। कंगाली में आटा गीला। 31 जुलाई को उन्हें बेटा हुआ। मुँशी ने उसका नाम रखा — धनपतराय, परन्तु उनके भाई चाहते थे कि धन-दौलत के साथ कुछ रुतबा भी हो, इसीलिए उन्होने अपने भतीजे को नवाबराय कहना शुरु किया। लडका स्कूल में धनपतराय रहा और घर में नवाबराय, भगवान ने दोनों की सुनीं, लेकिन दूसरे ही ढंग से, वही लडका बडा होकर देश को एक अनमोल तोहफा दिया, ऐसी दौलत देश के नाम की जिसके आगे राजा और रंक सभी ने सिर नकया, और लडका नवाब ही नहीं, 'साम्राट' बना उपन्यास साम्राट प्रेमचन्द। परन्तु देश को इतनी अनमोल दौलत देने के लिए नवाबराय को स्वयं जीवन भर गरीबी में रहना पडा।



**9357/KH8** **OCTOBER 2009**

Paper VIII — ESSAY AND TRANSLATION THEORIES

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — (5 × 4 = 20 marks)

1. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

(a) रस पर एक टिप्पणि लिखिए।

(b) प्रगतिशील काव्यधारा का परिचय दीजिए।

(c) तुलसीदास की समन्वय भावना पर टिप्पणि लिखिए।

(d) हिन्दी महिला लेखिकाओं के बारे में लिखिए।

(e) अनुवाद में शब्दकोश के प्रयोग पर प्रकाश डालिए।

(f) अनुवादक के लिए आवश्यक गुणों की चर्चा कीजिए।

(g) अनुवाद विज्ञान है या कला?

(h) कार्यालयीन अनुवाद के बारे में लिखिए।

PART B — (2 × 10 = 20 marks)

2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में लिखिए।

(a) अनुवाद पुनःसृजन है, इस कथन पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(b) अनुवाद के प्रकारों पर विचार कीजिए।

(c) मुहावरों और लोकोक्तियों के अनुवाद की समस्याओं को सोदाहरण समझाइए।

(d) अनुवाद की परिधि के बारे में सोदाहरण समझाइए।

(e) भारत में अनुवाद की पृष्ठभूमि की चर्चा करते हुये वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

(f) मनोवैज्ञानिक उपन्यास का आरंभ कब से होता है? उसके स्वरूप की चर्चा कीजिए।

PART C — (3 × 20 = 60 marks)

3. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 1,200 शब्दों में दीजिए।

(a) कबीरदास की दार्शनिक पृष्ठभूमि का परिचय देते हुये सिद्ध कीजिए कि वह क्रान्तिकारी थे, सुधारवादी नहीं।

(b) साधारणीकरण क्या होता है? समीक्षा कीजिए।

(c) प्रेमचन्द कलम के सिपाही थे। सिद्ध कीजिए।



(d) अनुवाद की प्रक्रिया में आनेवाली समस्याओं की चर्चा उदाहरण देते हुये समझाइये।

(e) संचार माध्यम अनुवाद की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

(f) हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

The women in the traditional household did not have the freedom to choose any thing in the household or in the public space. The clothes she wore chosen by members of the family ; the level of education she could aspire for was restricted by the family ; freedom of movement outside the household could only be in the company of her family members or her life partner. Marriage was fixed by the family. But with education she is enabled to choose for herself. Several other alternative ways of choosing what she requires in life. For example, In modern India we see several cases of young women choosing their life partners beyond their community of religion. This is a clear indication that women in India are no longer content with what the traditional household has to offer. The modern women would like to make their own choices. The recent report on Human development asserts that the growth of a nation should not be measured in economic terms alone. On the contrary, development of the capabilities of an individual, especially women, to make their own choices is the real index of the development of a nation. Its against this background that the development of Indian women in sixties and afterwards is reflected in the contemporary Hindi Literature.